Paper - V

1 Foundation of Social Psychology

Jai Ram Singh.
Deptt of Psychology
Mahila college Daltonganj.
Dehri

MJC
Sem II

समाज मनोविज्ञान का क्षेत्र
Scope of Social Psychology

समाज मनोविज्ञान समाज में व्यक्ति का अध्ययन करता है जिससे स्पष्ट होता है कि Social Psychology व्यक्ति के उन समस्त अनुभवों एवं व्यवहारों का अध्ययन करता है जिसे व्यक्ति समाज में रहकर प्रदर्शित करता है इस तरह समाज मनोविज्ञान एक विस्तृत विज्ञान है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति के समस्त व्यवहारों का अध्ययन करता है फिर भी मनोवैज्ञानिको ने इसका विषय क्षेत्र निर्धारित करने का प्रयास किया है। सामाजिक व्यवहार के आधार पर मनोवैज्ञानिको ने इसके कार्य क्षेत्र को निर्धारित करने का प्रयास किया है जो निम्नलिखित हैं।

① समाज और सामाजिक मनोविज्ञान →

इसके अन्तर्गत दो प्रकार का अध्ययन सम्मिलित है। पहला यह कि इसमें इस बात की जाँच की जाती है कि प्रेरणा, स्मरण, शक्ति इत्यादि का सामाजिक क्रियाओं पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है दूसरा इसमें यह देखा जाता है कि कुछ आधार पर मनोवैज्ञानिक ~~आवश्यकताओं~~ अवधारणाओं जैसे अनुकरण, सुझाव, पक्षपात इत्यादि के प्रभावों की

(2)

विवेचना किस प्रकार की जाती है

(ii) बालक का समाजीकरण, संस्कृति, एवं व्यक्तित्व → समाज मनोविज्ञान बालकों के समाजीकरण का विशेष रूप से अध्ययन करता है। बालक का विकास किस प्रकार से होता है भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में व्यक्तित्व का विकास भिन्न-भिन्न प्रकार से होता है तथा इसके व्यक्तित्व का विकास किस प्रकार से होता है। भिन्न भिन्न संस्कृतियों में व्यक्तित्व का विकास भिन्न-भिन्न प्रकार से होता है और बच्चे इसे कैसे सीखते हैं समाज मनोविज्ञान में वर्तमान समय में व्यक्तित्व का विशेष रूप से अध्ययन किया जाता है। जिसमें इस बात पर अधिक ध्यान दिया जाता है कि व्यक्तित्व पर संस्कृति का क्या प्रभाव पड़ता है

(iii) सामूहिक भेद → सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते हैं उनमें कुछ न कुछ अन्तर अवश्य होता है और दोनो व्यक्तियों में पाये जानेवाली भिन्नता व्यक्तिक भिन्नता के कारण होता है व्यक्तियों में यह वास्तविक व्यक्तिक भिन्नता किन सामाजिक कारणों से होता है इसका अध्ययन समाज मनोविज्ञान में किया जाता है

(iv) मनोवृत्ति तथा मत विचारों का आदान-प्रदान — विभिन्न अभिरुचियों का विकास किन सामाजिक परिस्थितियों में होता है और विशिष्ट सामाजिक परिस्थितियाँ किन अभिरुचियों को जन्म देती है इस

बात का ~~इसका~~ गहन अध्ययन समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत किया जाता है

मनोवृत्ति का क्या अर्थ है, यह विकास कैसे होता है इसके कौन कौन से स्रोत हैं इसके निर्माण पर किन-किन परिस्थितियों का प्रभाव पड़ता है इन सभी बातों का अध्ययन भी समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत किया जाता है। आलपोर्ट ने मनोवृत्ति को समाज मनोविज्ञान का मुख्य क्षेत्र बताया है

(4) सामाजिक अन्तःक्रिया, समूह गतिशीलता तथा नेतृत्व →

समाज मनोविज्ञान सामाजिक परिस्थितियों में विभिन्न मानव समूहों के बीच होनेवाली अन्तःक्रियाओं का का अध्ययन करता है। साथ ही साथ समूह निर्माण, समूह की गतिशीलता तथा समूह विघटन का भी विश्लेषण करता है

समाज मनोविज्ञान नेतृत्व का भी अध्ययन करता है प्राचीन ~~समय~~ समाज मनोवैज्ञानिकों ने आधुनिक समाज मनोवैज्ञानिकों ने नेतृत्व सम्बन्धी अध्ययनों में अधिक रुचि दिखलायी है और अनेक शोध निष्कर्ष भी प्रस्तुत किये हैं

(5) सामाजिक प्रभाव → सामाजिक प्रभाव को

समाज मनोविज्ञान का मुख्य कार्य क्षेत्र माना जाता है यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे किसी एक व्यक्ति के व्यवहार, भावनाओं एवं मनोवृत्ति में परिवर्तन दूसरे व्यक्तियों द्वारा

कुछ करने या करने के फलस्वरूप होता है समाज मनोवैज्ञानिक मुख्य रूप से तीन तरह के सामाजिक प्रभावो को महत्वपूर्ण बतलाया है जैसे अनुरूपता, अनुपालन, एवं आज्ञाकारिता इत्यादि।

(vii) समूह का प्रभाव → आधुनिक समाज मनोविज्ञान का समूह प्रभाव का भी अध्ययन करता है। भिन्न-भिन्न प्रकार के समूहो द्वारा व्यक्तियों पर पड़ने वाले प्रभावो को समूह प्रभाव के अन्तर्गत रखा गया है समाज मनोविज्ञान में अध्ययन की सुविधा के लिए समूह प्रभावो को अनेको भागो में बाँटा गया है जैसे समूह चिन्तन, सामाजिक सक्रियता, सामाजिक स्वच्छंदता इत्यादि

(viii) सामाजिक प्रक्रियाओं का अध्ययन → समाज मनोविज्ञान व्यक्ति के सामाजिक प्रक्रियाओं, अनुभवो का भी अध्ययन करता है। एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार करता है ऐसे सामाजिक प्रक्रियाओं के अध्ययन को भी समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र के अन्तर्गत रखा गया है

(ix) ~~भिड़ तथा भि~~

→ भीड़ तथा भीड़ व्यवहार → भीड़ तथा भीड़ व्यवहार को भी समाज मनोविज्ञान का मुख्य क्षेत्र माना गया है समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत इस बात का अध्ययन इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि व्यक्ति का व्यवहार भीड़ की स्थिति में पूर्णरूपेण बदल जाता है आम

(5)

समाज मनोविज्ञान इसके समाधान के लिए भिन्न-भिन्न पक्षों का अध्ययन करता है।

(i) **प्रेरणा तथा संवेग** → प्रेरणा तथा संवेग का अध्ययन एक मुख्य बिन्दु है। प्रेरणा दो प्रकार की होती है जैविक प्रेरणा जैसे भूख, प्यास, काम इत्यादि तथा सामाजिक प्रेरणा जैसे - सम्बन्धन - आवश्यकता, अन्तर्मुखता, सम्मान, अधिकार इत्यादि का प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार-परिक्रियाओं पर पड़ता है जिसका अध्ययन समाज मनोविज्ञान करता है।

(ii) **सामाजिक तनाव तथा समूह संघर्ष** → विद्वानों ने सामाजिक तनाव तथा समूह संघर्ष को समाज मनोविज्ञान के मुख्य क्षेत्रों के अन्तर्गत रखा गया है वर्तमान समय में सामाजिक तनाव तथा समूह संघर्ष का अध्ययन समाज मनोविज्ञान के लिए इसलिए भी आवश्यक है कि सामाजिक जीवन का सभी पक्ष इस तनाव या संघर्ष से प्रभावित होता है अतः समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत सामाजिक तनाव से सम्बन्धित अनेक समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।

(iii) **भाषा तथा संचार** → समाज मनोविज्ञान भाषा तथा संचार के प्र[भाव] का भी अध्ययन करता है Interactions Interactional behaviours पर भाषा त[था] संचार का गहरा प्रभाव पड़ता है इसलिए

समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र में भाषा तथा संचार से सम्बन्धित समस्याओं का अध्ययन भी आवश्यक है।

समाज मनोविज्ञान के क्षेत्रों से सम्बन्धित उपरोक्त बातों के आधार पर हम निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं कि समाज-मनोविज्ञान का क्षेत्र अत्यधिक विकसित एवं व्यापक है जो व्यक्ति के व्यवहारों का अध्ययन करता है। अतः इसके क्षेत्र को एक निश्चित सीमा तक बाँधना उचित नहीं लगता है।